रणजी सेमीफाइनल के लिए

कर्नाटक टीम में वैसाख विजयकुमार की वापसी





एजेंसी । लखनऊ

तेज गेंदबाज वैसाख विजयकुमार की उत्तराखंड के खिलाफ होने वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए कर्नाटक टीम में वापसी हुई है। सेमीफाइनल मुकाबला 15 फरवरी से लखनऊ में खेला जाएगा।

वैसाख चोट के कारण पिछले दो राउंड में टीम से बाहर थे। अब उन्होंने 15 सदस्यीय टीम में वापसी की है। वह साथी तेज गेंदबाज एम वेंकटेश की जगह टीम में शामिल किए गए हैं। भारतीय स्टार बल्लेबाज केएल राहुल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा भी टीम का हिस्सा बने रहेंगे। टीम की कमान देवदत्त पडिक्कल के हाथों में है। पूर्व क्रिकेटर येरे गौड़ की कोचिंग में आठ बार की चैंपियन कर्नाटक ने क्वार्टरफाइनल में मुंबई को चार विकेट से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, केएल राहुल, केवी अनीश, करुण नायर, आर स्मरण, श्रेयस गोपाल, कृतिक कृष्णा, विद्वथ कावेरप्पा, विद्याधर पाटिल, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहसिन खान, शिखर शेट्टी, केएल श्रीजीत, वैसाख विजयकुमार।

डेविस कप में भारत की ऐतिहासिक जीत पर ऋषभ पंत का सलाम, सुरेश बने हीरो

समर न्यूज । नई दिल्ली

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने डेविस कप क्वालिफायर्स के पहले दौर में नीदरलैंड्स पर भारत की यादगार जीत की जमकर तारीफ की है। भारत की इस जीत के साथ ही टीम ने सितंबर में होने वाले क्वालिफायर्स के दूसरे दौर के लिए क्वालिफाई कर लिया है। ऋषभ पंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'डेविस कप क्वालिफायर्स में भारतीय टेनिस के लिए बड़ी जीत। नीदरलैंड्स को हराकर दूसरे दौर में पहुंचना जबरदस्त जज्बे की मांग करता है। शाबाश लड़कों!'

बेंगलुरु में खेले गए इस मुकाबले में ढाक्शिणेश्वर सुरेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को जीत



दिलाने में अहम भूमिका निभाई। शनिवार को सिंगल्स में उन्होंने डच टीम के शीर्ष रैंक खिलाड़ी जेस्पर डी जोंग को हराकर भारत को महत्वपूर्ण अंक दिलाया। इसके बाद सुरेश ने युकी भांबरी के साथ मिलकर डेविड पेल और सैंडर एरेंड्स की जोड़ी के खिलाफ डबल्स मुकाबला खेला। पहली बार साथ खेल रही इस भारतीय जोड़ी ने तीन घंटे तक चले रोमांचक मुकाबले में 7-6(0), 3-6, 7-6(1) से जीत दर्ज कर भारत को टाई में पहली बार बढ़त दिलाई। भारत को जीत के लिए रिवर्स सिंगल्स में सुमित नागल से उम्मीद थी, लेकिन जेस्पर डी जोंग ने वापसी करते हुए मुकाबला 5-7, 6-1, 6-4 से जीत लिया। गौर है कि नागल ने दाहिनी जांघ में ग्रेड-2 टियर के बावजूद मुकाबला खेला, जिससे उनके साथी खिलाड़ी को रिकवर होने के लिए कीमती समय मिला। निर्णायक मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 457 ढाक्शिणेश्वर सुरेश ने अपेक्षाकृत फ्रेश गाइ डेन आउडेन का सामना किया। हालांकि डेन आउडेन को पहली सर्व में दिक्कतें रहीं, लेकिन उन्होंने 15 ऐस लगाते हुए बिना कोई ब्रेक पॉइंट दिए मैच अपने नाम किया।

इस प्रदर्शन के साथ सुरेश 2004 में लिएंडर पेस के बाद एक ही डेविस कप टाई में तीन मैच जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। इस जीत ने भारत को पिछले 15 वर्षों में डेविस कप (वर्ल्ड कप ऑफ टेनिस) में सबसे आगे तक पहुंचाया, जब टीम अंतिम-16 में डिफेंडिंग चैंपियन सर्बिया से हारी थी। भारत अब सितंबर में क्वालिफायर्स के दूसरे दौर में खेलेगा, जहां आठ टीमों के डेविस कप फाइनल्स में जगह बनाने की जंग होगी।

आर अश्विन पाकिस्तानी खिलाड़ी उस्मान तारिक के पक्ष में उतरे

गेंदबाजी एक्शन पर दी प्रतिक्रिया

समर न्यूज । नई दिल्ली



भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक का समर्थन किया है। अपने गेंदबाजी एक्शन की वजह से आलोचना का शिकार हो रहे तारिक के बारे में अश्विन ने कहा कि रोक सिर्फ गेंदबाजों के लिए नहीं होनी चाहिए। बुधवार को, पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने तारिक के रन-अप के दौरान रुकने की आलोचना की और इसकी तुलना फुटबॉल के एक नियम में बदलाव से की, जिसके तहत खिलाड़ी पेनल्टी रन-अप के दौरान रुक नहीं सकते। गोस्वामी ने एक्स पर लिखा, "फुटबॉल में भी अब खिलाड़ी पेनल्टी रन-अप के दौरान रुक नहीं सकते। यह कैसे ठीक है? एक्शन- सब ठीक है। लेकिन रुकना? वह भी गेंद डालने के समय। इसे जारी नहीं रखा जा सकता।" अश्विन ने गोस्वामी के इसी पोस्ट का जवाब देते हुए एक्स पर लिखा, "सहमत हूं कि फुटबॉल इसकी इजाजत नहीं देता। जब बल्लेबाज को एक तरफ से बैटिंग शुरू करने के बाद अंपायर या गेंदबाज को बताए बिना स्विच-हिट या रिवर्स करने की इजाजत दी जा सकती है, तो ये पाबंदियां सिर्फ गेंदबाज तक ही क्यों हैं? असल में गेंदबाज को अंपायर को बताए बिना जिस हाथ से वह गेंदबाजी करता है, उसे बदलने की इजाजत नहीं है। उन्हें पहले वह नियम बदलना चाहिए।

अश्विन को इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना करना पड़ा। इसके बाद फिर उन्होंने लिखा, "मैं इसे जितना हो सके साफ कर दूं। सबसे पहले, उनके गेंदबाजी एक्शन की वैधता सिर्फ आईसीसी गेंदबाजी एक्शन जांच केंद्र में ही की जा सकती है। दूसरा, एक 15-डिग्री का नियम है जिसके तहत गेंदबाज को अपनी कोहनी सीधी रखनी होती है, और ऑन-फील्ड अंपायर यह तय नहीं कर सकता कि कोई गेंदबाज उस 15-डिग्री के अंदर गेंदबाजी कर रहा है या नहीं। इसका एकमात्र हल वास्तविक समय में जांच के लिए मशीन की व्यवस्था है। ऊपर बताई गई बातें एक ग्रे एरिया हैं और किसी पर ग्रे एरिया का इस्तेमाल करने का आरोप लगाना गलत है। आखिर में, क्रीज पर रुकना वैध है या नहीं? मेरा मानना है कि यह पूरी तरह से वैध है क्योंकि वह उनका नियमित एक्शन है। अपनी बांह में साफ दिखने वाले मोड़ और एक अलग तरह के रन-अप के लिए जाने जाने वाले तारिक को अपने एक्शन की कानूनी वैधता और क्या यह टॉप टी20 लीग सहित अंतरराष्ट्रीय जांच में खरा उतरेगा, इस पर सवालों का सामना करना पड़ा है। तारिक ने अमेरिका के खिलाफ 3 विकेट लेकर पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके बाद उनके गेंदबाजी एक्शन को लेकर फिर से बहस छिड़ गई है।

जर्मन बुंदसलीगा शतरंज

अर्जुन एरिगैसी की जीत से वापसी

एजेंसी । बर्लिन , जर्मनी



दुनिया की सबसे मज़बूत और प्रतिष्ठित टीम शतरंज लीगों में से एक जर्मन बुंदसलीगा शतरंज में आज छठा राउंड खेला गया जिसमें भारत के कई खिलाड़ियों नें यूरोप के विभिन्न क्लब से इसमें भाग लिया। क्लासिकल शतरंज फॉर्मेट में खेले जाने वाली इस लीग में 16 टीमें भाग लेती हैं और पूरा टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन सिस्टम पर खेला जाता है, जिसमें हर टीम बाकी सभी टीमों से एक बार मुकाबला करती है। आमतौर पर इसके राउंड सप्ताहांत में आयोजित की जाती है, इसलिए राउंड्स के बीच 1–2 हफ्तों का अंतर देखा जाता है। अभी छठा राउंड पूरा हो चुका है, जबकि सातवां राउंड लगभग दो हफ्ते बाद खेला जाएगा। पूरे सीज़न के अंत में सबसे अधिक मैच अंक हासिल करने वाली टीम चैंपियन बनती है। आज खेले गए छठे राउंड में भारत के अर्जुन एरिगैसी जो अभी अभी टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज में एक बेहद बुरे दौर से गुज़रे है जीत दर्ज करते हुए वापसी की है। अर्जुन नें आज अपनी टीम एसवी डेगड्रॉफ़ की और से खेलते हुए एसके किर्कवाइये टीम से खेल रहे क्रोशिया के इवान सारिक को पराजित किया। टाटा स्टील मास्टर्स में प्रज्ञानन्दा को मात देने के बाद अर्जुन को 12 क्लासिकल मुकाबलों के बाद जीत का स्वाद मिला। वही अन्य भारतीय खिलाड़ियों में निहाल सरीन नें जर्मनी के मैरियस फॉर्म को तो दीप्त्यान घोष नें क्रोशिया के अंटे ब्रैक को मात दी। जबकि एसएल नारायणन नें सर्बिया के अलेक्जेंडआर प्रेडके से और अरविंद चितम्बरम नें ग्रीस के एंटोनियोज़ पावलीदिस से ड्रा खेला।

स्वर्ण विजेता निशानेबाज का हादसे में निधन

जूनियर विश्व कप 2016 में 25 मीटर पिस्टल के स्वर्ण पदक विजेता

एजेंसी । मुंबई



जूनियर विश्व कप 2016 के स्वर्ण पदक विजेता और अंतरराष्ट्रीय पिस्टल निशानेबाज संभाजी पाटिल का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। यह हादसा मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर पालघर जिले में हुआ। संभाजी पाटिल की उम्र महज 27 वर्ष थी। उनके असामयिक निधन से भारतीय निशानेबाजी और खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। एक अधिकारी के अनुसार, यह दुर्घटना सुबह करीब 10 बजे हुई, जब संभाजी पाटिल अपने दोस्त के साथ कार से निशानेबाजी के अभ्यास के लिए जा रहे थे। कार उनके दोस्त और साथी निशानेबाज यश चौधरी चला रहे थे, जबकि संभाजी पाटिल चालक की बगल वाली सीट पर बैठे थे। अधिकारी ने बताया कि तेज रफ्तार से जा रही कार ने बाईं ओर से एक ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास किया, इसी दौरान कार ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि संभाजी पाटिल को गंभीर चोटें आईं। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में यश चौधरी को भी चोटें आई हैं और उनका इलाज जारी है। संभाजी पाटिल भारतीय निशानेबाजी के उभरते हुए सितारे माने जाते थे। उन्होंने 2016 में अजरबैजान में आयोजित जूनियर विश्व कप में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया था। कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले पाटिल से भविष्य में बड़ी उपलब्धियों की उम्मीद की जा रही थी। संभाजी पाटिल के निधन पर खेल प्रेमियों, निशानेबाजी संघों और खिलाड़ियों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। कई खिलाड़ियों और खेल संगठनों ने सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके परिवार के प्रति संवेदना जताई।

अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में बढ़ाई सैन्य तैनाती

एजेंसी । वॉशिंगटन डीसी

ईरान से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में सैन्य तैनाती बढ़ा दी है। सैटेलाइट तस्वीरों में सामने आया है कि कतर के अल-उदीद बेस पर पैट्रियट मिसाइल सिस्टम को स्थायी लॉन्चर की जगह ट्रकों पर तैनात किया गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक अलग-अलग बेस पर विमानों और सैन्य उपकरणों की संख्या भी बढ़ी है। यह बदलाव जनवरी के बाद क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच हुआ है। फोरेंसिक इमेजरी एनालिस्ट विलियम गुडहाइंड के मुताबिक, जनवरी की तुलना में फरवरी की सैटेलाइट तस्वीरों में क्षेत्र में सैन्य गतिविधि बढ़ी हुई नजर आ रही है। उन्होंने बताया कि फरवरी की शुरुआत में अल-उदीद बेस पर पैट्रियट मिसाइलें ट्रकों पर लगी नजर आईं।

नीदरलैंड और यूएसए के खिलाफ फरहान के प्रदर्शन ने ओपनिंग बल्लेबाजी को मजबूत किया

समर न्यूज । नई दिल्ली



टी20 विश्व कप 2026 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने नीदरलैंड और यूएसए के खिलाफ अपने शुरुआती ग्रुप स्टेज के मैच जीत लिए हैं। पाकिस्तान का अगला मुकाबला 15 फरवरी को भारत के साथ कोलंबो में होना है।

भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच में दोनों टीमों के खिलाड़ियों पर अतिरिक्त दबाव रहता है। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने किसी दबाव से इनकार किया है। यूएसए के खिलाफ जीत के बाद फरहान ने कहा, "जब आप दो लगातार मैच जीतते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। आने वाला मैच कोई बड़ी बात नहीं है, हम उनके खिलाफ पहली बार नहीं खेल रहे हैं। पहले भी खेल चुके हैं। इस बार उनके खिलाफ हम अलग माइंडसेट के साथ खेलेंगे।" उन्होंने कहा, "आपने हमें पहले मुश्किल हालातों में और संघर्ष करते हुए देखा है, लेकिन अब शादाब और नवाज रन बना रहे हैं। इसलिए उम्मीद है कि हमारा उनके खिलाफ मैच रोमांचक होगा और आप सभी को आनंद आएगा।"

भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ वर्षों में हुए मैच एकतरफा रहे हैं और भारत ने आसानी से जीत हासिल की है। इस सवाल पर फरहान ने कहा कि मुझे लगता है कि एशिया कप के दौरान हमारा मैच एकतरफा नहीं था। हम आखिर तक खेले और लड़े। उम्मीद है कि इस बार हम शानदार खेल दिखाएंगे।

फरहान ने कहा, "मुझे लगता है कि जब आप रन बनाते हैं तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। पिछली दो पारियों के बाद मेरा आत्मविश्वास भी बढ़ा है। भारत के खिलाफ मैच को हम एक सामान्य मैच की तरह लेंगे और रविवार के मैच में शांत मन से खेलने के लिए तैयार हैं।"

साहिबजादा फरहान ने पाकिस्तान की ओपनिंग बल्लेबाजी को मजबूती दी है। नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच में उन्होंने 31 गेंद पर 47 रन बनाए थे। वहीं अमेरिका के खिलाफ 41 गेंद पर 73 रन की पारी खेलकर प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

बेन स्टोक्स को नेट्स अभ्यास में लगी गंभीर चोट सफल ऑपरेशन के बाद जल्द वापसी की तैयारी

समर न्यूज । नई दिल्ली



इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स को अभ्यास सत्र के दौरान चेहरे पर गेंद लगने से गंभीर इंजरी हो गई थी। इंजरी का सफल ऑपरेशन हुआ है। इसकी जानकारी स्टोक्स ने इंस्टाग्राम पर दी है। बेन स्टोक्स ने इंस्टाग्राम पर ऑपरेशन के बाद अपने चेहरे की तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, "हो सकता है ऐसा न लगे, लेकिन सर्जरी सफल रही।" 34 साल के स्टोक्स को चोट तब लगी थी जब वह नेट्स के किनारे खड़े थे। पिछले सप्ताह उन्होंने इंस्टाग्राम पर ही अपनी इंजरी की जानकारी दी थी।

स्टोक्स ने पिछले महीने सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और आखिरी एशेज टेस्ट के दौरान एडक्टर इंजरी के कारण मैदान छोड़ा था। उसके बाद हुई इस इंजरी ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। बेन स्टोक्स मौजूदा समय में एकमात्र ऐसे बड़े खिलाड़ी हैं, जो पहली प्राथमिकता टेस्ट क्रिकेट को देते हैं। वनडे विश्व कप 2023 के बाद से उन्होंने इंग्लैंड के लिए सीमित ओवरों का कोई मैच नहीं खेला है।

स्टोक्स की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की घरेलू टेस्ट सीरीज के दौरान हो सकती है। इस बीच, वह काउंटी चैंपियनशिप में डरहम के लिए खेलकर अपनी फिटनेस हासिल करने की कोशिश कर सकते हैं। सक्रिय क्रिकेटर होने के बावजूद बेन स्टोक्स के कोचिंग करने की भी सूचना थी। वह अबू धाबी में पाकिस्तान शाहीन के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए मोईन अली और एंड्रयू फ्लिंटॉफ के साथ इंग्लैंड लायंस के कोचिंग स्टाफ में शामिल होने वाले थे। चयनकर्ताओं के मुताबिक, फरवरी और मार्च में होने वाली इस सीरीज में तीन टी20 मैचों के लिए 17 खिलाड़ियों की टीम और पांच 50-ओवर के मैचों के लिए 16 खिलाड़ियों का ग्रुप होगा। बेन स्टोक्स के सामने असली चुनौती टेस्ट कप्तान के रूप में इंग्लैंड के प्रदर्शन को पटरी पर लाना है।

इंग्लैंड का टेस्ट खेलने का बैजबॉल अंदाज बड़ी टीमों के खिलाफ बुरी तरह असफल रहा है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में 4-1 से हार के बाद स्टोक्स और मैकुलम की कप्तान-कोच की जोड़ी पर सवाल उठे थे।

अभिषेक शर्मा अस्पताल में भर्ती, नामीबिया मैच पर संशय

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत को झटका, टॉप ऑर्डर संयोजन और रणनीति प्रभावित होने का खतरा

समर न्यूज । नई दिल्ली



टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के ओपनर अभिषेक शर्मा नई दिल्ली में पेट के संक्रमण (स्टमक इंफेक्शन) के कारण अस्पताल में भर्ती हैं। इससे नामीबिया के खिलाफ ग्रुप स्टेज मुकाबले में उनकी उपलब्धता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक तेज बुखार से जूझ रहे हैं और मेडिकल जांच जारी है। वह हालिया ट्रेनिंग सेशन में भी शामिल नहीं हुए, जिससे टीम मैनेजमेंट की चिंता बढ़ गई है। पाकिस्तान के खिलाफ बड़े मुकाबले को देखते हुए टीम कोई जोखिम नहीं लेना चाहती।

अभिषेक की गैरमौजूदगी भारत के लिए साधारण चोट अपडेट नहीं है। टीम अभी भी अपने टॉप ऑर्डर संयोजन को स्थिर करने की कोशिश कर रही है। वर्ल्ड कप जैसे टूर्नामेंट में आखिरी समय पर बदलाव से बल्लेबाजी संतुलन और रणनीति प्रभावित हो सकती है।

पिछले मैच (USA के खिलाफ) में भी अभिषेक शारीरिक रूप से संघर्ष करते दिखे थेः गोल्डन डक पर आउट हुए, गेंदबाजी के दौरान मैदान पर नहीं उतरे, मैच के बाद हैंडशेक में शामिल नहीं हुए,अरुण जेटली स्टेडियम में ट्रेनिंग सेशन मिस किया।

सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहाः 'अभि को पेट से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं। हमें उम्मीद है कि दो दिन में वह उपलब्ध हो जाएंगे।' हालांकि, BCCI के एक सूत्र ने संकेत दिया कि नामीबिया के खिलाफ उनका खेलना फिलहाल संदिग्ध है। स्टमक इंफेक्शन एलीट खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि इससे शरीर में पानी की कमी, स्टैमिना और रिकवरी प्रभावित होती है।

भले ही उन्हें जल्द छुट्टी मिल जाए, लेकिन 48 घंटे में मैच फिटनेस पाना आसान नहीं होगा।

ऐसे में संजू सैमसन बैकअप विकल्प के रूप में तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक के साथ नेट्स में अतिरिक्त अभ्यास किया है। अगर अभिषेक बाहर होते हैं, तो सैमसन अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और लचीले बैटिंग पोजीशन के कारण मजबूत विकल्प बन सकते हैं।

भारत को नामीबिया के बाद पाकिस्तान से भिड़ना है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट अभिषेक को पूरी तरह फिट रखने की रणनीति अपना सकता है। आधुनिक वर्ल्ड कप रणनीति के तहतः खिलाड़ियों के वर्कलोड को प्राथमिकता देना, छोटी बीमारी को बढ़ने से रोकना,बड़े मुकाबलों के लिए प्रमुख खिलाड़ियों को सुरक्षित रखना।

अभिषेक की स्थिति चिंता का विषय है, लेकिन टीम को कुछ अच्छी खबरें भी मिली हैंः वॉशिंगटन सुंदर टीम से जुड़ चुके हैं और ट्रेनिंग के लिए तैयार हैं। जसप्रीत बुमराह 10 दिन के ब्रेक के बाद फिर से गेंदबाजी कर रहे हैं और फिट नजर आ रहे हैं।सहायक कोच ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की भी तारीफ की और कहा कि USA के खिलाफ जीत में उनकी लीडरशिप साफ दिखी।

अगर संजू सैमसन को मौका मिलता है, तो भारत की बल्लेबाजी रणनीति में हल्का बदलाव हो सकता है। पावरप्ले में नियंत्रित शुरुआत, शुरुआती विकेट बचाने पर फोकस, मिडिल ऑर्डर को मजबूत प्लेटफॉर्म देना; नामीबिया के खिलाफ भारत अनुशासन और स्थिरता पर जोर देगा, न कि प्रयोगों पर।